भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3938

बुधवार, 23 दिसम्बर, 2015 को उत्तर देने के लिए

न्यूटन भाभा निधि

3938. श्री दुष्यंत चौटाला :

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से 'न्यूटन-भाभा निधि' का स्थापना किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस निधि के स्थापना के लक्ष्य/उद्देश्य क्या हैं;

(ग) इस निधि का किस प्रकार उपयोग किए जाने की संभावना है; और

(घ) सरकार द्वारा न्यूटन-भाभा निधि की सहायता से अब तक कितने नवाचारी वैज्ञानिक परियोजनाएं प्रस्तावित हैं ?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री वाई. एस. चौधरी)

(क) जी, हां। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने न्यूटन-भाभा कार्यक्रम स्थापित करने के लिए व्यापार नवोन्मेष और कौशल विभाग, युनाइटेड किगंडम सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ख) यह कार्यक्रम बहु-एजेंसी प्रतिभागिता और वित्तपोषण के माध्यम से संयुक्त रूप से अभिज्ञात प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में भारतीय और ब्रिटिश संस्थाओं के बीच अनुसंधान को करने की परिकल्पना करता है। इस सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में i) खाद्य-ऊर्जा-जल संबंध; ii) जन स्वास्थ्य और कल्याण ; iii) धारणीय अवसंरचना; iv) उच्च मूल्य विनिर्माण;और v) बृहत आंकड़ा विज्ञान शामिल है।

(ग) और (घ) न्यूटन भाभा कार्यक्रम के अन्तर्गत संयुक्त कार्यकलापों को सहयोग की हमारी तीन व्यापक श्रेणियों में कार्यान्वित किया जाएगा जिनके नाम इस प्रकार हैं i) जनता : पीएचडी आदान-प्रदान, पोस्ट डाक्टरल प्रशिक्षण और मोबिलिटी स्कीमों तथा पेशेवर विकास [अर्थात् नवोन्मेष नेतृत्व कार्यक्रम, पेशेवर विकास और योजित कार्यक्रम, एसटीईएम शिक्षा कार्यक्रम] सहित कार्यक्रमों के माध्यम से प्राकृतिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, सामाजिक विज्ञान और मानवता तथा नैदानिक विज्ञानों में अनुसंधान और नवोन्मेष क्षमता निर्मित करना ii) परियोजनाएं : संयुक्त केन्द्रों, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और अनुसंधान और नवोन्मेष अवसंरचनाओं तक अभिगम के माध्यम से सहयोगात्मक अनुसंधान । अनुसंधान उत्कृष्टता के आधार पर ऐसे क्षेत्रों जो जन स्वास्थ्य और कल्याण , खाद्य-जल-ऊर्जा संबंध और धारणीय शहरों तथा बृहत आंकड़ा और उच्च मूल्य निर्माण के क्रास कटिंग विषयों के द्वारा तीव्र शहरीकरण, मजबूत आधार सहित संयुक्त रूप से अभिज्ञात बड़ी सामाजिक चुनौतियों के लिए अधिकतम सहयोग करते हैं, में सहयोग किया जाएगा: और iii) रूपातंरण: व्यापार और शिक्षा के बीच सहभागिता बनाने के लिए कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ी सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के समाधान हेतु यूके-भारत अनुसंधान और नवोन्मेष सहभागिता और क्षमता का निर्माण करना। उद्यमिता सहित अनुसंधान ज्ञान और नवोन्मेष क्षमता निर्माण के विकास को बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद से ,इंस्पायर डाक्टरल आवेदकों की अध्येतावृत्तियां (30-30 आवेदकों वाले दो बैच) और उद्यमिता अध्येतावृत्ति (12 आवेदक) प्रदान की गई हैं। वहनीय स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और विनिर्माण प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में रूपातंरण मोड के अन्तर्गत छह: औद्योगिक आर एण्ड डी परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं।

***